



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

१५ नि कृ संबंध

दिनांक ।।। ३।। २०२१।। पृष्ठ संख्या ।।। ३।।। कॉलम ।।। २।।

हक्कियों के वर्षुअल कृषि मेले में ५१ हजार किसानों ने किया पंजीकरण

● दो दिवालीय वर्षुअल खरीफ के कृषि मेले का हुआ समापन

हिसार, 10 मार्च (सुरेंद्र सोढ़ी) : चौधरी चरणसिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में दो दिवसीय वर्षुअल खरीफ के कृषि मेले का बुधवार को समापन हुआ। इस मेले में ५१ हजार किसानों ने पंजीकरण कर अपनी भागीदारी दिखा दी है। मेले के समापन अवसर पर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के उप-महानिदेशक (कृषि शिक्षा) डॉ. आर.सी. अग्रवाल ने कहा कि गिरते भूमिगत जल स्तर व कम होती जमीन की उर्वरा शक्ति को बचाने के लिए किसानों को जल संरक्षण व फसल विविधिकरण को अपनाना होगा। ऐसा करने से एक ओर जहां पानी की बचत होगी वहीं दूसरी ओर किसान को आर्थिक फायदा भी होगा और पर्यावरण भी सुरक्षित रहेगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने की। सिंह ने मुख्यातिथि का कार्यक्रम में ऑनलाइन रूप से शामिल होने पर स्वागत किया और विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित मेले



मेले के समापन अवसर पर ऑनलाइन रूप से संबोधित करते मुख्यातिथि डॉ. आर.सी. अग्रवाल व मौजूद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व अन्य।

के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे फसल विविधिकरण का अपनाकर न केवल अपनी आमदनी में इजाफा कर सकते हैं बल्कि भूमि की उर्वरा शक्ति को भी बचा सकते हैं। किसानों को कम लागत में अधिक मुनाफा देने वाली फसलों को उगाना होगा, इसके लिए वे लगातार विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के संपर्क में रहें और यहां से विकसित विभिन्न फसलों की उत्तर किसी व तकनीकों को अपनाएं। इस बार मेले में करीब ५१ हजार लोगों ने मोबाइल फोन के माध्यम से पंजीकरण करवाया। इसके

अलावा करीब ३ लाख लोगों ने विश्वविद्यालय की साइट पर विजिट किया। मेला अधिकारी एवं सह-निदेशक(विस्तार शिक्षा) डॉ. कृष्ण यादव ने बताया कि इस मेले के सफल आयोजन में कृषि एवं किसान कल्याण विभाग हरियाणा सरकार, इंडियन पोस्ट पेमेंट बैंक, हरियाणा कानूनी सहायता सहायता एजेंसी, हरियाणा व जिला प्रशासन का विशेष सहयोग रहा। उन्होंने सभी मुख्यातिथियों, वैज्ञानिकों, किसानों व अन्य सभी प्रतिभागियों का जो इस मेले में प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से शामिल हुए, सभी का धन्यवाद किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पंजाब हिसारी.....

दिनांक 11.3.2021 पृष्ठ संख्या.....7 कॉलम.....7.8



किसान मनोहरलाल को सम्मानित करते डॉ. नरेंद्र कुमार।

‘प्रगतिशील किसान मनोहरलाल यादव सम्मानित’

मंडी आदमपुर, 10 मार्च (पंक्तेः) : गांव सदलपुर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर में 2 दिवसीय वर्चुअल किसान मले का शुभारंभ किया गया।

इस दौरान एच.ए.यू. हिसार के कुलपति एवं विस्तार शिक्षा निदेशक ने किसानों को आनलाइन संबोधित किया तथा फसल विविधकरण करके अपनी आमदानी दुगनी करने का आह्वान किया। इस दौरान केंद्र के को-ऑफिनेटर डॉ. नरेंद्र कुमार ने प्रगतिशील गांव सीसवाल निवासी

किसान मनोहर लाल यादव को बागवानी एवं नर्सरी प्रबंधन में उत्कृष्ट व उल्लेखनीय कार्य के लिए जिला हिसार के प्रगतिशील किसान सम्मान से सम्मानित किया गया।

मनोहर लाल यादव ने गाष्ठीय बागवानी बोर्ड के तहत फलदार पौधों की हाईटेक नर्सरी तैयार कर रखी है, जिसमें अमरुद की हिसार सफेद किस्म की 2 लाख पौध के अलावा नींबू, किनू, बेर, आलू बुखारा व अंगूर आदि की पौध बिक्री के लिए तैयार कर रखी है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....४५१८ मई २०२१

दिनांक ११.३.२०२१ पृष्ठ संख्या.....३ कॉलम.....३.६

विज्ञानियों का सुझाव : कम भूमि पर अधिक मुनाफे वाली फसलों को किसान दें तवज्ज्ञो

फसलों की पैदावार बढ़ाने के लिए दिए टिप्पणी

कृषि मेला संपन्न, 51 हजार किसान जुड़े



मेले के समाप्त अवसर पर ऑनलाइन रूप से संबोधित करते मुख्यातिथि डा. आर.सी. अग्रवाल व मौजूद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व अन्य। • पीआरओ

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बचुअल कृषि मेला (खरीफ) के दूसरे दिन खरीफ फसलों की पैदावार बढ़ाने पर वेबिनार आयोजित हुआ।

विस्तार शिक्षा निदेशालय के सह-निदेशक(किसान परामर्श सेवा) डा. सुनील ढांडा ने वेबिनार के दौरान सत्र का संचालन किया। वेबिनार में विज्ञानियों ने

किसानों को खरीफ फसलों की पैदावार बढ़ाने के तौर तरीकों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। मेले के थीम जिसका मुख्य विषय फसल विविधकरण था, जिसकी अध्यक्षता सस्य विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डा.

एसके ठकराल ने की। सभ्जी विज्ञान विभाग से विभागाध्यक्ष डा. एके भाटिया ने सभ्जी वाली फसलों के

द्वारा फसल विविधकरण किया जा सकता है। जिससे किसानों को कम भूमि से ज्यादा मुनाफा मिलेगा। प्रो.

बिंजेंदर बैनोवाल ने फूलों की खेती द्वारा किसानों को फसल विविधकरण के बारे में बताया। कृषि विज्ञान केंद्र के

भूतपूर्व वरिष्ठ संयोजक डा. हरिओम ने कई उन्नतशील किसानों के उदाहरण देकर समझाया कि किस प्रकार धन-गेहूं के फसल चक्र को

तोड़कर किसान दलहनी व तिलहनी फसलों द्वारा, अंतः फसलीकरण द्वारा, जैविक खेती द्वारा, सभ्जी की खेती द्वारा, सभ्जी की नसरी द्वारा फसलों

के विविधकरण से पर्यावरण और पूरी खेती को आने वाले समय के खतरों जैसे मिट्टी की घटती उर्वरा शक्ति व घटते भूजल स्तर आदि से बचा सकते हैं।

इन विषयों पर आयोजित हुए वेबिनार : इस दौरान आयोजित वेबिनारों में कृषि में विविधकरण, धान की सीधी बिजाई की उत्पादन तकनीक व खरीफ फसलों में खरपतवार नियंत्रण, खरीफ फसलों की उत्पादन तकनीक, किसानों के साथ ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी सभा, कृषि में उधमिता विकास, डेयरी फार्मिंग में संतुलित आहार का महत्व, डेयरी फार्मिंग में रोग की रोकथाम व उपचार का महत्व व किसान हित के लिए कृषि कानून आदि विषयों को लेकर विचार-विमर्श किया गया।

किसानों ने पूछे सवाल : वेबिनार के समाप्त अवसर पर किसान और विज्ञानियों के बीच सवाल-जवाब हुए जिनमें विज्ञानियों ने किसानों के विभिन्न प्रश्नों के जवाब देते हुए उनकी समस्याओं को दूर किया।

सूत्र कृषि विभाग के विभागाध्यक्ष डा. आरपस कंवर ने फसलों में सूत्र कृषि संबंधी प्रश्नों के उत्तर दिए और डा. अनिल यादव ने बाजरा फसल सम्बंधी व डा. विंद्र सिंह हुड्डा ने फसलों में खरपतवार नियंत्रण सम्बंधी प्रश्नों के उत्तर दिए।

जागरण संवाददाता, हिसार : गिरते भूमिगत जल स्तर व कम होती जमीन की उर्वरा शक्ति को बचाने के लिए किसानों को जल संरक्षण व फसल विविधकरण को अपनाना होगा। ऐसा करने से एक और जहां पानी की बचत होगी।

वहीं, किसान को अर्थिक फलादारी भी होगा और पर्यावरण भी सुरक्षित रहेगा। ये विचार मेले के समाप्त अवसर पर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के उप-महानिदेशक डा. आरसी अग्रवाल ने बताया मुख्यातिथि व्यक्त किए। कुलपति प्रो. समर सिंह ने की। मुख्यातिथि ने कहा कि हरियाणा एक कृषि प्रधान राज्य है। अस्तित्व में आने के बाद प्रमुख फसलों के क्षेत्र एवं पैदावार में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

अधिक मुनाफा देने वाली फसलें उगाएं किसान

कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने मुख्यातिथि का कार्यक्रम में ऑनलाइन रूप से शामिल होने पर स्वागत किया और विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित मेले के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उहोंने किसानों से आह्वान किया कि वे फसल विविधकरण का अपनाकर न केवल अपनी आमदानी में इजाफा कर सकते हैं। उहोंने कहा कि किसानों को कम लागत में अधिक मुनाफा देने वाली फसलों को उगाना होगा। वे विश्वविद्यालय के विज्ञानियों के संपर्क में रहें और यहां से विकसित विभिन्न फसलों की उन्नत किसीं व तकनीकों को अपनाएं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....अभूतज्ञाता

दिनांक .11.3.2021...पृष्ठ संख्या.....3.....कॉलम.....3-5.....

कृषि मेला

एचएयू के दो दिवसीय वर्चुअल कृषि मेले (खरीफ) का समापन

'हरित क्रांति से प्राकृतिक संसाधनों का दोहन बढ़ा'

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। हरित क्रांति आने के बाद फसलों की पैदावार बढ़ने के साथ-साथ प्राकृतिक संसाधनों का दोहन भी बढ़ा है। इस कारण भूमिगत जल स्तर की कमी, अत्यधिक कीटनाशकों एवं रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग, जमीन की उर्वरा शक्ति का कम होना, फसल अवशेषों का जलाना आदि अनेक समस्याएं उत्पन्न हुई हैं।

इसके अलावा धान-गेहूं फसल चक्र के कारण भूमिगत जल स्तर गिरता जा रहा है, जो चिंता का विषय है। अब प्राकृतिक संसाधनों के दोहन का रोकना जरूरी है। इसके लिए किसानों को विविधीकरण अपनाना होगा। ये विचार मेले के समापन पर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली



एचएयू में आयोजित वर्चुअल कृषि मेले के दौरान मौजूद अधिकारी।

अमर उजाला

के उप महानिदेशक (कृषि शिक्षा) डॉ. किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय आरसी अग्रवाल ने बतौर मुख्यातिथि व्यक्त के कुलपति प्रो. समर सिंह ने की।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....सैद्धनि कृषि मासिक

दिनांक 11.03.2021 पृष्ठ संख्या 2 कॉलम 3-6

एचएयू के वर्चुअल कृषि मेले का समापन, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप-महानिदेशक ने दिए सुझाव

जल संरक्षण व फसल विविधिकरण अपनाएं किसान

भास्कर न्यूज़ | हिसार

गिरो भूमिगत जल स्तर व कम होती जमीन की उर्वरा शक्ति को बचाने के लिए किसानों को जल संरक्षण व फसल विविधिकरण को अपनाना होगा। ऐसा करने से एक ओर जहां पानी की बचत होगी वहाँ दूसरी ओर किसान को आर्थिक फायदा भी होगा और पर्यावरण भी सुरक्षित रहेगा।

ये विचार मेले के समापन अवसर पर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के उप-महानिदेशक (कृषि शिक्षा) डॉ. आर.सी. अग्रवाल ने बताया मुख्यातिथि व्यक्त किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने की। मुख्यातिथि ने कहा कि हरियाणा एक कृषि प्रधान राज्य है तथा इसकी अर्थव्यवस्था खेती पर निर्भर करती है। हरियाणा

प्रदेश के अलग से अस्तित्व में आने के बाद प्रमुख फसलों के क्षेत्र एवं पैदावार में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यह सब किसानों एवं वैज्ञानिकों के सामूहिक प्रयास से ही सम्भव हो पाया है। मेला अधिकारी एवं सह-निदेशक (विस्तार शिक्षा) डॉ. कृष्ण यादव ने भी संबोधित किया।

वहाँ एचएयू के वर्चुअल कृषि मेले के दूसरे दिन खरीफ फसलों की पैदावार बढ़ाने व अन्य विषयों को लेकर आयोजित वेबिनार आयोजित किए गए। विस्तार शिक्षा निदेशालय के सह-निदेशक (किसान परामर्श सेवा) डॉ. सुनील ढांडा ने वेबिनार के दौरान सत्र का संचालन किया। इस दौरान वेबिनार में कृषि में विविधिकरण, धान की सीधी बिजाई की उत्पादन तकनीक, खरीफ फसलों में खरपतवार नियंत्रण आदि पर चर्चा हुई।



कार्यक्रम में ये रहे मौजूद

मेले के समापन अवसर पर विवि के कुलपति के विशेष कार्यकारी अधिकारी डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज, अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत, लुवास के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. धर्मबीर सिंह सहित सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, प्रशासनिक अधिकारी, निदेशक, विभागाध्यक्ष, सभी कृषि विज्ञान केंद्रों के इंचार्ज मौजूद थे।

कम लागत में अधिक मुनाफा देने वाली फसलें उगाएं किसान : प्रो. समर सिंह

विवि के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने मुख्यातिथि का स्वागत किया। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे फसल विविधिकरण का अपनाकर न केवल अपनी आमदनी में इजाफा कर सकते हैं बल्कि भूमि की उर्वरा शक्ति को भी बचा सकते हैं। उन्होंने कहा कि किसानों को कम लागत में अधिक मुनाफा देने वाली फसलों को उगाना होगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....प्राप्ति पत्र

दिनांक ./१२/३/२०२१...पृष्ठ संख्या.....कॉलम.....

कुलपति प्रो. समर सिंह की प्रदेश के किसानों से मार्मिक अपनाएं अन्जदाता अमूल्य अन को कदापि नष्ट न करें

पाठकपक्ष न्यूज़

हिसार, 10 मार्च (देवन्द पल) : चौधरी चरण (देवन्द पल) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के अनिवार्य है, वहाँ किसानों व कृषि वैज्ञानिकों के लिए एक उत्तमता भी है। फसलों का विविधिकरण, डिप सिंचाइ तथा बागवानी आदि समय की माग है। डॉ. समर सिंह ने बताया कि अकेला हरियाणा प्रदेश देश का एक-एक दाना अमूल्य है, जिसे नदाना अपने खून-पर्सीने से पैदा होता है। अन का प्रत्येक दाना किसी भी के मुह में जाना चाहिए। देश में भी लोग हैं जिन्हें भर पेट खाना मिलता या केवल एक समय तो है। इसलिए फसल नष्ट करना जानों के लिए अच्छी बात नहीं है। ये शब्द आज इस संबंददाता मतलब करते हुए प्रो. समर सिंह ने कहा कि शहरीकरण

परंतु प्रति एकड़ उत्पादन बढ़ाना जहाँ अनिवार्य है, वहाँ किसानों व कृषि वैज्ञानिकों के लिए एक उत्तमता भी है। फसलों का विविधिकरण, डिप सिंचाइ तथा बागवानी आदि समय की माग है। डॉ. समर सिंह ने बताया कि अकेला हरियाणा प्रदेश देश का एक-एक दाना अमूल्य है, जिसे नदाना अपने खून-पर्सीने से पैदा होता है। अन का प्रत्येक दाना किसी भी के मुह में जाना चाहिए। देश में भी लोग हैं जिन्हें भर पेट खाना मिलता या केवल एक समय तो है। इसलिए फसल नष्ट करना जानों के लिए अच्छी बात नहीं है। ये शब्द आज इस संबंददाता मतलब करते हुए प्रो. समर सिंह ने कहा कि शहरीकरण

विकसित की है। इनके अलावा बहुत सी ऐसी किसानों पर काम चल रहा है जो भविष्य में किसानों के लिए बहुत ही फायदेमंद साथियों की हर समस्या के समाधान के लिए तैयार हैं। अगर विस्तीर्णी भी कर्मचारी की तर्कसंगत कोई समस्या है तो किसी को प्रदेश व 1 किस्म को देशभर के लिए जारी किया गया है। विश्वविद्यालय की स्थापना से लेकर अब तक विश्वविद्यालय ने विभिन्न फसलों की 250 नई व उन्नत किस्मों विकसित की हैं जो योग्य प्रतिरोधी व अधिक पैदावार देने वाली हैं। अब तक 533 राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एमओयू साइन हो चुके हैं। खेती से जुड़ी समस्याओं के निदान के लिए विश्वविद्यालय की निःशुल्क

किसान लाभ उठा रहे हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन हर समय शिक्षक व गैर-शिक्षक कर्मचारियों की हर समस्या के समाधान के लिए तैयार है। अगर विस्तीर्णी भी कर्मचारी की तर्कसंगत कोई समस्या है तो प्रशासन उसे प्राथमिकता के साथ हल करने के लिए तैयार रहता है। उन्होंने कहा कि किसानों से निवेदन है कि वे अधिक से अधिक संख्या में विश्वविद्यालय के साथ जुड़कर यहाँ से विकसित विभिन्न फसलों की उन्नत किस्म व तकनीकों का फायदा उठाएं ताकि वे अधिक रूप से अधिक परम्परागत फसलों को बढ़ाने के लिए परम्परागत फसलों को छोड़कर दसरी फसलें लगाया जिससे

मिल सके। कुलपति ने वैज्ञानिकों से कहा है कि वे किसानों की समस्याओं को हल करने को प्राथमिकता दें। तथा किसान भी विश्वविद्यालय के अनुसंधान का लाभ उठाएं और यहाँ से ट्रीटमेंट लेकर अपने खेतों में जाएं। उन्होंने बताया कि वर्चुअल किसान मेला बहुत कामयाब रहा है। कृषक इसमें प्रश्न भी पूछ सकते हैं। इस बार भी 50 हजार से ज्यादा किसान इसके लिए रजिस्ट्रेशन कर चुके हैं और लगभग 1.75 लाख किसानों ने विश्वविद्यालय की साइट को विजिट किया है। किसान अपनी आमदानी बढ़ाने के लिए परम्परागत फसलों को छोड़कर दसरी फसलें लगाया जिससे



कुलपति प्रो. समर सिंह

मुख्यमंत्री मोहर लाल खट्रट ने इसलिए क्वालिटी फूड एक्सप्रेस ने वैज्ञानिकों की जिम्मेदारी को बढ़ावा दिया है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पंजाब मेहनी.....

दिनांक ।।.३.२०२।....पृष्ठ संख्या.....५.....कॉलम.....७-९.....



मेले के समापन अवसर पर ऑनलाइन संबोधित करते मुख्यातिथि डॉ. आर. सी. अग्रवाल व मौजूद विश्वविद्यालय के कुलपति व अन्य।

‘जल संरक्षण व फसल विविधिकरण अपनाएं किसान : डॉ. अग्रवाल’

हिसार, 10 मार्च (पंकेस) : गिरते भूमिगत जल स्तर व कम होती जमीन की उर्वरा शक्ति को बचाने के लिए किसानों को जल संरक्षण व फसल विविधिकरण को अपनाना होगा। ऐसा करने से एक ओर जहां पानी की बचत होती वहीं दूसरी ओर किसान को आर्थिक फायदा भी होगा और पर्यावरण भी सुरक्षित रहेगा।

ये विचार मेले के समापन अवसर पर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के उप-महानिदेशक (कृषि शिक्षा) डॉ. आर. सी. अग्रवाल ने बतौर मुख्यातिथि व्यक्त किए। मुख्यातिथि ने कहा कि हरियाणा एक कृषि प्रधान राज्य है तथा इसकी अर्थव्यवस्था खेती पर निर्भर करती है।

हरियाणा प्रदेश के अलग से अस्तित्व में आने के बाद प्रमुख फसलों के क्षेत्र एवं पैदावार में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यह सब

किसानों एवं वैज्ञानिकों के सामूहिक प्रयास से ही सम्भव हो पाया है। हरित क्रांति आने के बाद फसलों की पैदावार बढ़ने के साथ-साथ प्राकृतिक संसाधनों का दोहन भी बढ़ा है, जिसके कारण भूमिगत जल स्तर की कमी, अत्यधिक कीटनाशकों एवं रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग, जमीन की उर्वरा शक्ति का कम होना, फसल अवशेषों का जलावा आदि अनेक समस्याएं उत्पन्न हुई हैं। इसके अलावा धान-गेहूं फसल चक्र के कारण भूमिगत जल स्तर निरन्तर गिरता जा रहा है जो कि चिन्ता का विषय है।

इस फसल चक्र के कारण हरियाणा के अधिकतर क्षेत्र डार्क जोन में परिवर्तित हो रहे हैं। इन समस्याओं को ध्यान में रखते हुए किसानों से आहान है कि वे धान-गेहूं फसल चक्र में बदलाव करके फसल विविधिकरण अपनाएं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समाचार दीर्घणि।	10.03.2021	--	--

कृषि मेले में किसानों को फसलों की पैदावार बढ़ाने के दिए वैज्ञानिक सुझाव

समस्त हरियाणा न्यूज हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वर्चुअल कृषि मो(खरीफ) के दूसरे दिन खरीफ फसलों की पैदावार बढ़ाने व अन्य विषयों को लेकर आयोजित वेबिनार आयोजित किए गए। विस्तार शिक्षा निदेशालय के सह-निदेशक(किसान परामर्श सेवा) डॉ. सुनील ढांडा ने वेबिनार के दौरान सत्र का संचालन किया। वेबिनार में वैज्ञानिकों ने किसानों को खरीफ फसलों की पैदावार बढ़ाने के तौर तरीकों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

मेले के थीम जिसका मुख्य विषय फसल विविधिकरण था, जिसकी अध्यक्षता सस्य विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डा.एस. के ठकराल ने की। सब्जी विज्ञान विभाग से विभागाध्यक्ष डॉ. ए.के. भाटिया ने सब्जी वाली

फसलों के द्वारा फसल विविधिकरण किया जा सकता है जिससे किसानों को कम भूमि से ज्यादा मुनाफा मिलेगा। प्रोफेसर बिजेंदर बैनीवाल ने फूलों की खेती द्वारा किसानों को फसल विविधिकरण के बारे में अवगत कराया। कृषि विज्ञान केंद्र के भूतपूर्व वरिष्ठ संयोजक डॉ. हरिओम ने कई उत्तरशील किसानों के उदाहरण देकर समझाया कि किस प्रकार धान-गेहूं के फसल चक्र को तोड़कर किसान दलहनी व तिलहनी फसलों द्वारा, अंत-फसलीकरण द्वारा, जैविक खेती द्वारा, सब्जी की खेती द्वारा, सब्जी की नर्सरी द्वारा फसलों के विविधिकरण से पर्यावरण और पूरी खेती को आने वाले समय के खतरों जैसे मिट्टी की घटती उर्वरा शक्ति व घटते भूजल स्तर आदि से बचा सकते हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... रुच जा० २ बी० ५८

दिनांक १०.३.२०२१ पृष्ठ संख्या कॉलम.....

एचएयू वर्चुअल कृषि मेले में किसानों को फसलों की पैदावार बढ़ाने के दिए वैज्ञानिक सुझाव

एचआर ब्रेकिंग न्यूज़

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वर्चुअल कृषि में(खरोफ) के दूसरे दिन खरोफ फसलों को पैदावार बढ़ाने व अन्य विषयों को लेकर आयोजित वेबिनार आयोजित किए गए। विस्तार शिक्षा निदेशालय के मह-निदेशक(विसान परामर्श सेवा) डॉ. सुनील द्वाढा ने वेबिनार के दौरान सब का संचालन किया। वेबिनार में वैज्ञानिकों ने किसानों को खरोफ फसलों की पैदावार बढ़ाने के तौर परीकों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

मेले के थीम विस्तार का मुख्य विषय फसल विविधकरण था, जिसकी अध्यक्षता सस्य विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डा.एस. के ठकराल ने की। सब्जी विज्ञान विभाग से विभागाध्यक्ष डॉ. ए.के. भाटिया ने सब्जी वाली फसलों की द्वारा फसल विविधकरण किया जा सकता है जिससे किसानों को कम भूमि से ज्यादा मुनाफा मिलेगा। प्रोफेसर बिंजेदर बैनीवाल ने फूलों की खेती द्वारा किसानों को फसल विविधकरण के बारे में अवगत कराया। कृषि विज्ञान केंद्र के भूतपूर्व



वेबिनार के दौरान संवादित करते वैज्ञानिक।

इन विषयों पर आयोजित हुए वेबिनार

इस दौरान अलाइन वेबिनारों में कृषि में विविधकरण, धान की सीधी बिजाई की उत्पादन तकनीक व खरोफ फसलों में खरपतवार नियन्त्रण, खरोफ फसलों की उत्पादन तकनीक, किसानों के साथ अनलाइन प्रश्नोत्तरी सभा, कृषि में दृष्टिकोण विकास, डेंगरोफ पर्सिपर्स में संतुलित आहार का महाल, डेंगरोफ पर्सिपर्स में रोग की रोकथाम व उपचार का महत्व व किसान दिव के लिए कृषि कानून आदि विषयों को सेवक विचार-विषयक किया गया। वेबिनार के समाप्त अवसर पर किसान और वैज्ञानिकों के बीच सम्बल-जवाब हुए विवेक वेलाकिंवी ने किसानों के विषयों पर इनको को दूष किया। सुन कृषि विभाग के विभागाध्यक्ष डा. आर. एस. केंद्र ने फसलों में मृश कृषि संबंधी प्रश्नों के उत्तर दिए और डॉ. अंतस यादव ने बाजार फसल संबंधी व डॉ. विंटर सिंह दुड़वा ने फसलों में खरपतवार नियन्त्रण संबंधी प्रश्नों के उत्तर दिए।

नहीं आती। धान की सीधी बिजाई की सभी तकनीकों के बारे में विस्तार पूर्वक बताया और धान की सीधी बिजाई में सफलतापूर्वक खरपतवार नियन्त्रण की सभी बातों को बारीकी से समझाया।

वरिष्ठ संयोजक डॉ. हरिओम ने कई धान की सीधी बिजाई है कारण : डॉ. एस.एस. पूर्ण विभागाध्यक्ष डॉ. एस.एस. पूर्णिया ने धान की सीधी बिजाई एवं खरोफ फसलों में खरपतवार नियन्त्रण विषय पर बताया कि धान की सीधी बिजाई से समय पर एवं सस्ती लेवर ना मिलने की समस्या से निजात मिल सकती है। धान की सीधी बिजाई से पानी की बचत भी होती है और सही तरह से फसल की देखभाल करने से पैदावार में कमी भी

वर्षते भूजल स्तर आदि से बचा सकते हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाँच बड़े	10.03.2021	--	--

एचएयू वर्चुअल कृषि मेले में किसानों को फसलों की पैदावार बढ़ाने के दिए वैज्ञानिक सुझाव

फसल विविधिकरण से किसानों को कम भूमि से ज्यादा मुनाफा मिलेगा : डा. भाटिया

यांग कौटी व्यूग

हिसार। “चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वर्चुअल कृषि मेले (वर्षीय) के दूसरे दिन खुरीक फसलों की पैदावार बढ़ाने व अन्य विषयों को लेकर अधियोग्यता विविधिक जानकारी दिया गया। विस्तार सिव्हा निदेशालय के सह-निदेशक (किसान परामर्श सेवा) डा. सुलेमान ढाका ने बोधान के दौरान यात्रा का संचालन किया। बोधान में वैज्ञानिकों ने किसानों को खुरीक फसलों की पैदावार बढ़ाने के लीए तरीकों के बारे में विस्तारायीक जानकारी दी। ऐसे के थोंग विस्तार मुख्य विषय फसल विविधिकरण था, जिसको अध्ययन सम्पूर्ण विभाग के अध्यक्ष छ.एस. के उद्घाटन ने की। सभी विभाग विभाग संभागायात्रा और एक भाटिया ने बाजार कि संस्कृती वाली फसलों के द्वारा फसल विविधिकरण किया जा सकता है जिससे किसानों को कम भूमि से ज्यादा भूमाफा मिलेगा। प्राक्कार विजेन्द्र बैठीलाल ने फसलों को खेती द्वारा, सब्जी की नस्ती द्वारा यथा फसलों के विविधिकरण के बारे में अध्ययन कराया। कृषि विज्ञान बोर्ड के भूतपूर्व व्यावर्त संबोधक



डा. हरिओंद्र ने कई उल्लंघन किसानों के लियाये देकर समझाया कि विषय प्रकार भान-जेह के फसल वक्र की तोड़कर विस्तार द्वारा व विस्तारी फसलों द्वारा, अतः फसलान्करण द्वारा, जीविक खेती द्वारा, सब्जी की खेती द्वारा, सब्जी की नस्ती द्वारा यथा फसलों के विविधिकरण से पैदावार और पूरी खेती को आने वाले समय के खतरों जैसे मिट्टी की

मर्टली ऊर्जा शक्ति व बढ़ते भूजल सहर आदि से बच सकते हैं।

धान की सीधी विजार्ड है कारगर :

डा. एम.एस. पूर्णिया

सम्बन्धित विभाग के पर्यंत विभागायात्रा और पूर्णिया ने धान की सीधी विजार्ड एवं खुरीक फसलों में खरपतवार नियन्त्रण विषय पर बताया कि धान की सीधी विजार्ड समय क्रियाओं के बारे में विस्तार पूर्वक बताया। डा. उमा देवी ने खुरीक की द्यालानी फसलों की विभव समय क्रियाओं के बारे में और डा. सतपाल

ने खुरीक की द्यालानी के बारे में बताया। इन विषयों पर आधोंजन तुरंत खोजितर इन दोषान आधोंजन विभिन्नता में कृषि में विविधिकरण, धान की सीधी विजार्ड की उत्पादन तकनीक व खुरीक फसलों में खरपतवार नियंत्रण, खुरीक फसलों की उत्पादन तकनीक व खुरीक फसलों की उत्पादन तकनीक के साथ औन्नलाइन प्रश्नोत्तरी सम्पर्क, कृषि में उन्नीता विकास, खुरीक फसलों में संतुलित आहार का महत्व, और यांग कौटी व विभाग के सेवायम व उपचार का महत्व व किसान हित के लिए कृषि क्षमता आदि विषयों को लेकर विचारण कियाया गया।

बोधान के समाप्त अवसर पर विभाग और वैज्ञानिकों के बीच सकाल-जलवा एवं जिम्मेदारी विज्ञानिकों ने किसानों के विभव प्रश्नों के जवाब देते हुए उनकी समझाओं को दूर किया। सूत कृषि विभाग के विभागायात्रा और एम.एस. कैवर ने फसलों में सूत कृषि संबंधी प्रश्नों के उत्तर दिए और डा. अनिल यात्रव ने बाजार फसल सम्बंधी व डा. विरेन्द्र सिंह हुइडा ने फसलों में खरपतवार नियंत्रण सम्बंधी प्रश्नों के उत्तर दिए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दीर्घनु	10.03.2021	--	--

जल संरक्षण व फसल विविधिकरण अपनाएं किसान : डॉ. अग्रवाल एचएयू के दो दिवसीय वर्चुअल कृषि मेले(खरीफ) का समापन, करीब 51 हजार किसानों ने किया पंजीकरण

देव नूज | खरीफ

पिछले भूमिगत जल स्तर व कम होने जूझी को उचित शोध की बाबत के लिए किसानों को जल संरक्षण व फसल विविधिकरण को अपनाना होगा। ऐसा करने से एक और जल हानी को बचत होगी बड़ी ओर किसान को आविष्कार प्रयोग भी होगा और पर्यावरण भी सुरक्षित होगा। ये विचार मेले के समापन अवसर पर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, राजस्थान के डॉ. महानिंदेशक (खरीफ विद्या) डॉ. आर. सी. अमालोल ने बताये मुख्यालियत व्यक्त किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समापन दिन ने की। मुख्यालियत ने कहा कि हरियाणा एक कृषि प्रदान संग्रह है जहां इसकी अप्रबलतायु खेती पर निर्भए करती है। हरियाणा प्रदान के अलांकार में अनेकों के बाद प्रमुख फसलों के लोटे एवं नीदावार में उत्तराखणीय बूद्धि हुई है। यह सभी किसानों एवं वैज्ञानिकों के सामूहिक



मेले के तांत्रिक अवसर पर ऑफलाइन रूप से संबोधित करते मुख्यालियत डॉ. आर.सी. अमालोल व मैजूद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर लक्ष्म द अम्बा।

प्रशासन से ही सम्भव हो गया है। इन किसानों, विद्यार एजेंसियों तथा अन्य समस्याओं को ध्यान में रखते हुए कृषि विकास में भागीदार संस्थाओं को किसानों से आहार है कि वे धन-गृह बनाएं दो। विश्वविद्यालय के कुलपति वैकासन द्वारा फसल विविधिकरण का अनिवार्य प्रोफेसर समर तिथ ने मुख्यालियत का कार्यक्रम में अनिलाइन रूप से शामिल होने पर स्वागत किया और विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित मेले

के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने किसानों से आहार किया कि वे फसल विविधिकरण का अनिवार्य न करते अपनी आमदानी में इतावध कर सकते हैं बल्कि भूमि की उचित शक्ति को भी बचा सकते हैं। उन्होंने कहा कि किसानों को कम लागत में

अधिक मुनाफा देने वाली फसलों को इस भेले के समल आयोजन में कृषि उगाना होगा, इसके लिए वे समाजार विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के संरक्षण में रहें और यहां से विकसित विविध फसलों की उत्तर किसीसे व उन्होंने सहायता दिया। उन्होंने बताया कि इस बार मेले में करीब 51 हजार लोगों ने मोबाइल फोन के माध्यम से अलावा इनके बालों में रहे वैज्ञानिकों को आवाज़। उन्होंने सभी मुख्यालियतों, वैज्ञानिकों, किसानों व अन्य सभी अधिकारियों को जो इस मेले में प्रत्येक व अन्यतर प्रयोग से शामिल हुए, उन्होंका धन्यवाद किया।

ये भी रहे कार्यक्रम में गोजूद

वर्द्धुअल कृषि मेले के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के विद्यार एवं अधिकारीय स्तर के आवार को ध्यान में रखकर फसलों का उत्पादन करने व गुणवत्ता का ध्यान रखें ताकि उनको फसल का उचित मूल्य मिल सके और उनकी अपनी में बढ़ोत्तरी कुलपति के विद्यार एवं वैज्ञानिकों से आहार किया निदेशक डॉ. धर्मवीर तिथ सभी महाविद्यालयों के अधिकारी, प्रशासनक अधिकारी एवं सह-निदेशक(विद्यार विभागाध्यक्ष, सभी कृषि विद्यालयों के अधिकारी, निदेशक, विद्यार एवं वैज्ञानिकों के इच्छां गोजूद थे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दीर्घाणा ट्रेड	10.03.2021	--	--

एचएयू वर्चुअल कृषि मेले में किसानों को फसलों की पैदावार बढ़ाने के दिए वैज्ञानिक सुझाव

टुडे न्यूज़ | हिसार



वेबिनार के दौरान संबोधित करते वैज्ञानिक।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वर्चुअल कृषि मो(खरीफ) के दूसरे दिन खरीफ फसलों की पैदावार बढ़ाने व अन्य विषयों को लेकर आयोजित वेबिनार आयोजित किए गए। विस्तार शिक्षा निदेशालय के सह-निदेशक(किसान परामर्श सेवा) डॉ. सुनील ढांडा ने वेबिनार के दौरान सत्र का संचालन किया। वेबिनार में वैज्ञानिकों ने किसानों को खरीफ फसलों की पैदावार बढ़ाने के तौर तरीकों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। मेले के थीम जिसका मुख्य विषय फसल विविधिकरण था, जिसकी अध्यक्षता सस्य विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डा.एस. के ठकराल ने की। सब्जी विज्ञान विभाग से विभागाध्यक्ष डॉ. ए.के. भाटिया ने सब्जी वाली फसलों के द्वारा फसल विविधिकरण किया जा सकता है जिससे किसानों को कम भूमि से ज्यादा मुनाफा मिलेगा। प्रोफेसर बिजेंद्र बैनेवाल ने फूलों की खेती द्वारा किसानों को फसल विविधिकरण के बारे में अवगत कराया। कृषि विज्ञान केंद्र के भूतपूर्व वरिष्ठ संयोजक डॉ. हरिओम ने कई उत्तरशील किसानों के उदाहरण देकर

समझाया कि किस प्रकार धान-गेहूं के फसल चक्र को तोड़कर किसान दलहनी व तिलहनी फसलों द्वारा, अंतः फसलीकरण द्वारा, जैविक खेती द्वारा, सब्जी की खेती द्वारा, सब्जी की नसरी द्वारा फसलों के विविधिकरण से पर्यावरण और पूरी खेती को आने वाले समय के खतरों जैसे मिट्टी की घटती उर्वरा शक्ति व घटते भूजल स्तर आदि से बचा सकते हैं।

धान की सीधी विजाई है

कारगर : डॉ. एस.एस. पूनिया

सस्य विज्ञान विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. एस.एस. पूनिया ने धान की सीधी विजाई एवं खरीफ फसलों में खरपतवार नियन्त्रण विषय पर बताया कि धान की सीधी विजाई से समय पर एवं सस्ती

लेवर ना मिलने की समस्या से निजात मिल सकती है। धान की सीधी विजाई से पानी की बचत भी होती है और सही तरह से फसल की देखभाल करने से पैदावार में कमी भी नहीं आती। धान की सीधी विजाई की सभी तकनीकों के बारे में विस्तार पूर्वक बताया और धान की सीधी विजाई में सफलतापूर्वक खरपतवार नियन्त्रण की सभी बातों को बारीकी से समझाया। साथ ही सभी खरीफ फसलों में खरपतवार नियन्त्रण की नवीनतम जानकारी दी। सहायक वैज्ञानिक डॉ. करमल सिंह ने कपास फसल की विभिन्न सस्य क्रियाओं के बारे में जानकारी दी एवं डा. अनिल कुमार ने विभिन्न कीटों और विभिन्न विमारियों के बारे में विस्तार पूर्वक बताया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
रुच ३१/२ ब्रिटि	10.03.2021	--	--

जल संरक्षण व फसल विविधिकरण अपनाएं किसान : डॉ. आर.सी. अग्रवाल

एचएयू के दो दिवसीय वर्चुअल कृषि मेले(खरीफ) का समापन, करीब 51 हजार किसानों ने किया पंजीकरण

एचआर ब्रेकिंग न्यूज़

हिसार। गिरते भूमिगत जल स्तर व कम होती जमीन की उर्वरा शक्ति को बचाने के लिए किसानों को जल संरक्षण व फसल विविधिकरण को अपनाना होगा। ऐसा करने से एक ओर जहां पानी की बचत होगी वही दूसरी ओर किसान को आर्थिक फायदा भी होगा और पर्यावरण भी सुविधित होगा। ये विचार मेने के समापन अवसर पर भास्तुत कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के डप-महानिदेशक (कृषि शिक्षा) डॉ. आर.सी. अग्रवाल ने बताया मुख्यालिंग व्यक्त किए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने की। मुख्यालिंग ने कहा कि हरियाणा एक कृषि प्रशान राज्य है जहां इसकी अर्थव्यवस्था खेतों पर निर्भर करती है। हरियाणा प्रदेश के अलावा से अदित्य भूमि के बाद प्रमुख फसलों के बीच एवं पैदायार में उत्तेजकानीय बुद्धि ही है। यह सब किसानों एवं बैद्धनिकों के सामूहिक प्रयास से ही सम्भव हो याता है। हरित कान्ति आने के बाद फसलों की पैदायार बढ़ने के साथ-साथ प्राकृतिक संसाधनों का दोहन भी बढ़ा है जिसके कारण मुख्यगत जल स्तर की कमी, अत्यधिक कीटनाशकों एवं ग्रामायनक उद्योगों का प्रतीक,



मेले के समापन अवसर पर अॅनलाइन रूप से संबोधित करते मुख्यालिंग डॉ. आर.सी.

कम लागत में अधिक मूल्यांकित देने वाली फसलें आएं किसान : प्रोफेसर समर सिंह

विविधिकरण के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने मुख्यालिंग का कार्यक्रम में अनेकान्दर करने से दृष्टिमुद्रा देने पर स्वागत किया और विश्वविद्यालय द्वारा अपनाएं नेने के बारे में विज्ञापनपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने किसानों से आल्यान रिचर्ज वे फसल विविधिकरण का अपनाकर न करते अपनी आमदानी में जलालय कर सकते हैं। बाकी पूरी उर्जा संभित वो भी बचा सकते हैं। उन्होंने किसानों को कम लागत में अधिक मूल्यांकित देने वाली फसलों को उत्तम होगा, इसके लिए ये लाभान्वित विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने वो भी रहे कार्यक्रम में मौजूद : वर्चुअल कृषि मेले के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के विशेष कार्यकारी अधिकारी डॉ. एम.एस. सिंदुपुरिया, कूलपत्तिवाल डॉ. आर. कंठवाल, अनुसंधान निदेशक डॉ. एम.के. सहायता, तुलास के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. धर्मवीर सिंह रहित सभी महाविद्यालयों के अधिकारी, प्रशासनिक अधिकारी, निदेशक, विभागाध्यक्ष, सभी कृषि विज्ञान केंद्रों के इन्डिविजूल वीजूट देखे।

जमीन की उर्वरा शक्ति का कम होना, फसल अवशेषों का जलाना अदि अनेक समस्याएं दो याता है। हरित कान्ति आने के बाद फसलों की पैदायार बढ़ने के साथ-साथ प्राकृतिक संसाधनों का दोहन भी बढ़ा है जिसके कारण जा रहा है जो कि चिन्ना का विषय है। इस विश्वविद्यालय प्रशासन के साथ-साथ किसानों, विस्तार एवं सेवियों तथा अन्य कृषि विकास में भागीदार संस्थाओं की बताई दी।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने मुख्यालिंग का कार्यक्रम में अनेकान्दर करने से दृष्टिमुद्रा देने पर स्वागत किया और विश्वविद्यालय द्वारा अपनाएं नेने के बारे में विज्ञापनपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने किसानों से आल्यान रिचर्ज वे फसल विविधिकरण का अपनाकर न करते अपनी आमदानी में जलालय कर सकते हैं। बाकी पूरी उर्जा संभित वो भी बचा सकते हैं। उन्होंने किसानों को कम लागत में अधिक मूल्यांकित देने वाली फसलों को उत्तम होगा, इसके लिए ये लाभान्वित विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने वो भी रहे कार्यक्रम में मौजूद : वर्चुअल कृषि मेले के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के विशेष कार्यकारी अधिकारी डॉ. एम.एस. सिंदुपुरिया, कूलपत्तिवाल डॉ. आर. कंठवाल, अनुसंधान निदेशक डॉ. एम.के. सहायता, तुलास के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. धर्मवीर सिंह रहित सभी महाविद्यालयों के अधिकारी, प्रशासनिक अधिकारी, निदेशक, विभागाध्यक्ष, सभी कृषि विज्ञान केंद्रों के इन्डिविजूल वीजूट देखे।

कूलपति नहादेन ने किसानों ने अपने को किए ये अत्यरिक्त सर के बाजार की धान में रखने वाले फसलों का उत्पादन करने व युग्मवता का धान रखने तक उनको फसल का उत्पादन करने में मूल्य मिल सके और उनको अमदानी में बढ़ावाने ही रहे। विज्ञापनपूर्वक देखा के प्रयासमें जो नेंद्र मोदी जी भी निर्देश दिया है। उन्होंने विज्ञानों से आल्यान किया कि वे ऐसी किसानों करे जिनमें पैदाक तब अधिक से अधिक ही।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नाम: ज्यौर	10.03.2021	--	--

कृषि मेला : खरीफ फसलों की पैदावार बढ़ाने की जानकारी दी वैज्ञानिकों ने

हिसार/10 मार्च/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वर्चुअल कृषि मेला (खरीफ) के दूसरे दिन विस्तार शिक्षा निदेशालय के सह-निदेशक (किसान परामर्श सेवा) डॉ. सुनील ढांडा के संचालन में खरीफ फसलों की पैदावार बढ़ाने व अन्य विषयों को लेकर वैज्ञानिकों ने जानकारी दी। मेले के थीम का मुख्य विषय फसल विविधिकरण रहा जिसकी अध्यक्षता सस्य विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. एसके ठकराल ने की। सब्जी विज्ञान विभाग से विभागाध्यक्ष डॉ. एके भटिया ने बताया कि कैसे सब्जी बाली फसलों से फसल विविधिकरण किया जा सकता है।

प्रोफेसर बिजेंदर बैनीवाल ने फूलों की खेती द्वारा किसानों को फसल विविधिकरण के बारे में अवगत कराया। कृषि विज्ञान केंद्र के पूर्व वरिष्ठ संयोजक डॉ. हरिओम ने उदाहरण देकर समझाया कि किस प्रकार से किसान खेती को आने वाले समय के खतरों जैसे मिट्टी की घटती उर्वरा शक्ति व घटते भूजल स्तर आदि से बचा सकते हैं। सस्य विज्ञान विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. एसएस पूनिया ने बताया कि धान की सीधी बिजाई से समय पर एवं सस्ती लैबर ना मिलने की समस्या से निजात मिल सकती है। धान की सीधी बिजाई से पानी की बचत भी होती है और सही तरह से फसल की देखभाल करने से

पैदावार में कमी भी नहीं आती। सहायक वैज्ञानिक डॉ. करमल सिंह ने कपास फसल की विभिन्न सस्य क्रियाओं के बारे में जानकारी दी एवं डॉ. अनिल कुमार ने विभिन्न कीटों और विभिन्न विमारियों के बारे में बताया। डॉ. उमा देवी ने खरीफ की दलहनी फसलों की विभिन्न सस्य क्रियाओं के बारे में और डॉ. सतपाल ने खरीफ की चारा फसलों के बारे में बताया। सूत्र कृमि विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. आरएस कंवर ने फसलों में सूत्र कृमि संबंधी प्रश्नों के उत्तर दिए और डॉ. अनिल यादव ने बाजरा फसल सम्बंधी व डॉ. विरेंद्र सिंह हुड्डा ने फसलों में खरपतवार नियंत्रण सम्बंधी प्रश्नों के उत्तर दिए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिरीज पत्र	10.03.2021	--	--

जल संरक्षण व फसल विविधिकरण अपनाएं किसान : डॉ. अग्रवाल एचएयू के दो दिवसीय वर्चुअल कृषि मेले (खरीफ) का समापन, कठीब 51 हजार किसानों ने किया पंजीकरण

सिरीज पत्र स्नैप न्यूज़, हिसार। जिसका प्रभाग जल व जल विविधि विभाग की ओर से जल संरक्षण के बचाने के लिए किसानों के जल संरक्षण व फसल विविधिकरण की अपनाना होता है। ऐसा करने से एक ओर जो किसानों की बचत होती रही तभी दूसरी ओर किसानों को आवंटित फसल भी होता और उत्पादन भी सुनिश्चित होता है। वे किसान मेले के साथात अवसर पर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली के डॉ. प्रभानिंद्रक (कृषि शिक्षा) डॉ. आर. से. अग्रवाल ने, खेति मन्त्रालय व्यक्त किया। कार्यक्रम को अध्यक्षता विविधिकरण के कुलपति प्रोफेसर यशवंत ने की। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा



एक कृषि प्रधान यह देख रहा है कि इसको अध्यक्षता देने पर निर्भर करती है। हरियाणा के जलाना में आवंटित विविधिकरण के क्षेत्र पर विविधालय में उल्लेखीय वृद्धि हुई है। यह सब किसानों एवं विजेतानकों के समर्हित प्रयास से ही सम्भव हो पाया है।

इसी क्षमता आने के बाद फसलों की पैदावार बढ़ने के साथ-साथ प्राकृतिक संतापनों का दूषन भी बढ़ा दे चिन्हके कारण भूमिगत जल स्तर की कमी, अत्यधिक कौटनाकारों एवं ग्रामावानिक उर्वरकों का प्रयोग, जलीन की ऊंचाई समझौते में भूमिगत जल स्तर की कमी का कारण होता है। फसल अवशेषों का जलाना आदि अनेक समस्याएं उत्पन्न हुई हैं। इसके अलावा यान-गेहूं फसल वज्र के कारण भूमिगत जल स्तर नियन्त्रित नहीं होता है जो कि जिन्होंने किया है। इस फसल वज्र के कारण हरियाणा के अधिकार शेत्र डाक्टर जीन में पर्यावरण हो रहे हैं। इन समस्याओं को ध्यान में रखते हुए किसानों से आहुत है कि वे यान-गेहूं फसल वज्र के कारण के माध्यम से पंजीकरण करतवाया। इसके अलावा कठीब 3 लाख लोगों ने विविधालय की साइट पर विविध प्रोफेसर समर्पित किसान:

गेहूं फसल वज्र में बदलाव करके लोगों ने योवाइल फोन के माध्यम से पंजीकरण करतवाया। इसके अलावा कठीब 3 लाख लोगों ने विविधालय की साइट पर विविध प्रोफेसर समर्पित किसान:

विविधालय के कुलपति प्रोफेसर समर्पित किसान विविधालय के कुलपति के विशेष कार्यकारी अधिकारी डॉ. प्रम्प. प्रस. सिद्धुरिया, कृतमीनव डॉ. यो. आर. कवीज, अनुशंशन निदेशक डॉ. एम. के. सहावत, तुमस के विशेष किसान निदेशक डॉ. अमरीर शिंह सहित सभी महाविद्यालयों के अधिकारी, प्रशासनिक अधिकारी, निदेशक, विप्रापाप्या, सभी कृषि विद्यालयों के इंचार्ज और डॉ. 51 हजार



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पात्र विषय	10.03.2021	--	--

जल संरक्षण व फसल विविधिकरण अपनाएं किसान : डॉ. अग्रवाल

एचएयू के दो दिवसीय वर्चुअल कृषि मेले(खरीफ) का समाप्ति, करीब 51 हजार किसानों ने किया पंजीकरण

पाठ्य वर्जी व्यूज़

हिस्पात। विहीन भूमिगत जल स्तर व कम होनी जारीन की उत्तरी शक्ति को बढ़ावा देने के लिए किसानों को जल संरक्षण व फसल विविधिकरण को अपनाना होगा। ऐसा करने से एक और जहां पानी की आवश्यकता बढ़ी दूसरी ओर किसान को अधिक खाली भी होगा और पर्यावरण भी सुरक्षित होगा। ये विकास मेले के महत्वपूर्ण अवसर पर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली के उप-महानिदिशक (कृषि शिक्षा) डॉ. आरसी अग्रवाल ने बताया मूल्यवाची व्यक्ति किसान कार्यक्रम की अवधारणा विश्वविद्यालय के कृतित्वपूर्ण विशेषज्ञ समर्पण में थी। मूल्यवाचीय ने कहा कि द्विरायण घटक कर्पि प्रयोग सारा जल है। हरियाणा प्रदेश के अलग से आवश्यक भवित्व के लिए इसकी अवधारणा सेवा पर विशेषज्ञ करती है। हरियाणा प्रदेश के अलग से आवश्यक भवित्व के लिए एवं विद्युत की उपयोग का कम होना, फसल अवधारणा का जलाना आदि अनेक समस्याएँ अनेक के बावजूद प्रमुख फसलों के लिए एवं विद्युत की उपयोग है। यह सब किसानों द्वारा जल के प्रयोग भूमिगत जल स्तर नियन्त्रण गिराने एवं विद्युतको के साथ-साथ प्रयोग से ही सम्बन्धित हो गया है। दोस्त आत्म अनेक के बाद फसलों की विद्युत बदने के साथ-साथ प्राकृतिक समस्याओं को दूर करने भी बढ़ा है जिसके कारण



भूमिगत जल स्तर की कमी, अल्पविकल्पों को दूर करने की विधियां एवं गम्भीरिक ऊरकों का प्रयोग, जमीन की उचित राशि का कम होना, फसल अवधारणा का जलाना आदि अनेक समस्याएँ अनेक के बावजूद प्रमुख फसलों के लिए एवं विद्युत की उपयोग है। यह सब किसानों द्वारा जल के प्रयोग भूमिगत जल स्तर नियन्त्रण गिराने एवं विद्युतको के साथ-साथ प्रयोग से ही सम्बन्धित हो गया है। दोस्त आत्म अनेक के बाद फसलों की विद्युत बदने के साथ-साथ प्राकृतिक समस्याओं को दूर करने में प्रायोगिक हो रहे हैं। इन

फसल घटक के कारण द्विरायण के अधिकारी एवं जल स्तर के बढ़ावा देने वाली भागीदार संस्थाओं को बढ़ावा दी जानी चाही है। इन घटक के कारण भूमिगत जल स्तर नियन्त्रण गिराना आवश्यक है कि ये धन-गेहू फसल विविधिकरण के माध्यम से पंजीकरण करदें। अल्पविकल्पों के लिए एवं विद्युत की साथ-साथ आवश्यक जलाना आदि अनेक समस्याएँ विविधिकरण प्रशासन के साथ-साथ किसानों, विद्युत एवं सम्बन्धित तथा अन्य कृषि विकास में भागीदार संस्थाओं को बढ़ावा दी।

कम लागत में अधिक धनाका देने वाली फसलें उत्तम किसान : प्रौ. समर सिंह

विश्वविद्यालय के कृषिकृत प्रोफेसर समर समझाविधि का कार्यक्रम में आनंदित हो गया। उन्होंने वैज्ञानिकों

से आल्यान किया कि वे ऐसी किसीमें विकसित करें जिनमें पोषक तत्व अधिक हो। मैंना अधिकारी एवं सह-निदेशक विद्यार विद्यार विद्या डॉ. कृष्ण यादव ने बताया कि इस मेले के माध्यम से अपने आदमीनों में इच्छा कर भागते हैं चाहिए भूमि की उचित राशि की विवरण द्वारा आवश्यक सम्बन्धित घटकों पर में बढ़ावा देने वाली कम लागत में अधिक मूलाधार देने वाली फसलों को उठाना होगा। इसके लिए वे लगातार सम्मुख्यातिविधि, वैज्ञानिकों, किसानों व अन्य सभी प्रायोगिकों का जो इस मेले में प्रवेश व अप्रत्यक्ष साथ से रामिल हुए, सभी का धन्यवाद किया।

ये भी रो कार्यक्रम में शीघ्र वर्चुअल कृषि मेले के समाप्त अवसर पर विश्वविद्यालय के कूलपांडी के विशेष वर्षाधारी अधिकारी डॉ. प्रौ. प्रप्त. सिद्धरुद्धि, कूलपांडी ने किसानों से अपील की कि वे अंतर्राष्ट्रीय स्तर के वाजा को ध्यान में रखकर फसलों का उत्पादन करे व विद्युत का ध्यान रखें ताकि उनको फसल का उचित मूल्य मिल सके और उनको आदमीनों में बढ़ावारी हो सके। विद्युत के प्रयोग की विविधिकरण के कृषिकृत प्रोफेसर समर सिंह के लिए देश के विद्युत विदेशक डॉ. पर्मवीर सिंह महिला सभी महिलाविद्यालयों के अधिकारी, प्रशासनिक अधिकारी, निदेशक, विधायिका, सभी कृषि विद्यार के द्वारा धौमूद थे।



**चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय**

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिरसा टुडे	10.03.2021	--	--

राष्ट्रीय सेवा योजना से होता है चरित्र निर्माण : डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया

हिसार | सिरसा टुडे

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा सात दिवसीय वार्षिक शिविर का आयोजन गांव शाहपुर में किया गया। शिविर के प्रथम दिवस की शुरुआत हवन यज्ञ से की गई। कार्यक्रम में छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया बतौर मुख्यातिथि मौजूद रहे। सहायक छात्र कल्याण निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा व राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय शाहपुर के प्रधानाचार्य कैलाश चन्द्र सैनी गणमान्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए मुख्यातिथि ने कहा कि राष्ट्रीय

सेवा योजना से विद्यार्थियों का न केवल चरित्र निर्माण होता है बल्कि सामाजिक छवि, व्यक्तित्व विकास, सकारात्मक सोच, आत्मविश्वास व नेतृत्व के गुणों का भी विकास होता



है। राष्ट्रीय सेवा योजना समन्वयक डॉ. चन्द्रशेखर डागर तथा राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. ममता व डॉ. पंकज वर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया। मुख्यातिथि ने स्वयंसेवकों को राष्ट्रीय

सेवा तथा व्यक्तित्व विकास, चरित्र निर्माण तथा सकारात्मक सामाजिक छवि के निर्माण के लिए प्रेरित किया और पूरी मेहनत व लगान से इस शिविर का अधिकाधिक लाभ उठाने

का आह्वान किया। कैलाश चन्द्र सैनी ने मनुष्य को आत्मिक शांति प्रदान करने में सहायक ध्यान के विषय में विस्तारपूर्वक चर्चा की। कार्यक्रम को सुचारू रूप से संचालित करने हेतु स्वयंसेवकों को विभिन्न समूह में बांटा गया तथा

इसके बाद स्वयंसेवकों ने पाठशाला परिसर की साफ-सफाई की। राष्ट्रीय सेवा योजना समन्वयक डॉ. चन्द्रशेखर डागर ने स्वयंसेवकों को उनके शिविर के दौरान योगदान तथा भागीदारी के लिए सराहना की।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठ्यक्रम पत्र	10.03.2021	--	--

अधिक पैदावार व आमदनी के लिए फसल विविधिकरण समय की मांग : डॉ. ए.के. सिंह



पाठ्यक्रम न्यूज़

हिसार, 10 मार्च : हरियाणा एक कृषि प्रधान राज्य है तथा इसकी अर्थव्यवस्था खेती पर निर्भर करती है। हरियाणा प्रदेश के अलग से अस्तित्व में आने के बाद फसलों का उत्पादन बढ़ा है तथा हरित क्रांति का उपयोग हरियाणा प्रदेश के किसानों ने सबसे ज्यादा करके देश के खाद्यान भंडार भरे हैं। हरित क्रांति के बाद प्रमुख फसलों के क्षेत्र एवं पैदावार में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यह सब किसानों एवं वैज्ञानिकों के सामूहिक

प्रयास से ही सम्भव हो पाया है। हरियाणा में आज भी बहुत से किसान गेहूं-चावल की परम्परागत खेती कर रहे हैं जिससे उनको खेती से अधिक आमदनी नहीं हो पा रही है। खेत से अधिक पैदावार व आमदनी के लिए हमें परम्परागत खेती छोड़कर कृषि विविधिकरण को अपनाना होगा। उक्त विचार भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के उप-महानिदेशक (कृषि विस्तार) डॉ. ए.के. सिंह ने बताए मुख्यातिथि मेले के ऑनलाइन उद्घाटन अवसर पर

कहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने की। मेले का मुख्य विषय 'फसल विविधिकरण' रखा गया है। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने मेले के विधिवत शुभारंभ पर मुख्यातिथि का स्वागत करते हुए मेले की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हमारे वैज्ञानिकों ने फसलों, फलों, सब्जियों व चारे का अधिक उत्पादन देने वाली, रोगरोधी व कम समय में पककर तैयार होने वाली लगभग 255 किस्मों का विकास किया है। प्रदेश में उत्तर बीज उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय हर वर्ष विभिन्न फसलों का करीब 19500 किंटल से अधिक उत्तर बीज पैदा करके राज्य के विभिन्न निगमों व किसानों को वितरित करता है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....भैनि कृषकेरा

दिनांक ।.२।.३।.२-२।.....पृष्ठ संख्या.....२.....कॉलम.....३६.....

हक्कवि की एनएसएस इकाई का सात दिवसीय शिविर थुक्क

हिसार, 11 मार्च (सुरेंद्र सोढी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा सात दिवसीय वार्षिक शिविर का आयोजन गांव शाहपुर में किया गया। शिविर के प्रथम दिवस की शुरुआत हवन यज्ञ से की गई।

कार्यक्रम में छात्र कल्याण निदेशक डा. देवेन्द्र सिंह दहिया बतौर मुख्यातिथि मौजूद रहे। सहायक छात्र कल्याण निदेशक डा. जीत राम शर्मा व राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय शाहपुर के



आयोजित शिविर के प्रथम दिवस पर हवन यज्ञ करते गणमान्य।

प्रधानाचार्य कैलाश चन्द्र सैनी गणमान्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। राष्ट्रीय सेवा योजना समन्वयक डा. चन्द्रशेखर डागर तथा राष्ट्रीय

सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डा. ममता व डा. पंकज वर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया। राष्ट्रीय सेवा योजना समन्वयक डा.

संतुलित आहार से कराया अवगत

कैम्प के दौरान अधिकल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना, गृह विज्ञान (खाद्य और पौधण विभाग) की नोडल अधिकारी डा. वीन सांगवान ने संतुलित आहार के बारे में बताया। स्वयंसेवकों ने ग्रामीणों के साथ विचार-विमर्श करते हुए उनकी जीवनशैली, रहन-सहन आदि के बारे में जानकारी हासिल की।

चन्द्रशेखर डागर ने स्वयंसेवकों को उनके शिविर के दौरान योगदान तथा भागीदारी के लिए सराहना की।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पंजाब मेला

दिनांक 12.3.2021 पृष्ठ संख्या.....4 कॉलम.....6

'स्वच्छता अभियान चला किया कूड़े का निस्तारण'

हिसार, 11 मार्च (संदीप): चौ.चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय स्वच्छ भारत अभियान में योगदान दे रहा है। चंदन नगर स्थित विश्वविद्यालय के फार्म की जमीन पर पिछले कई वर्षों से विश्वविद्यालय का कूड़ा डाला जा रहा था। इसके निस्तारण के लिए उप संपदा अधिकारी अजीत सिंह की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय के कर्मचारियों के साथ आऊटसोर्सिंग के कर्मचारियों ने मिल कर एक स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत कई टन कूड़े का निस्तारण किया गया।

सुबह 7 बजे से ही निस्तारण की प्रक्रिया शुरू हुई, जिसमें कई टन कूड़े का निस्तारण किया गया। विश्वविद्यालय में गैर शिक्षक संघ के उपप्रधान रामकीर्तन यादव ने बताया कि विश्वविद्यालय में कूड़े के निस्तरण के लिए एक प्लांट बनाया गया है, जहां पर अब कूड़े का निस्तारण किया जाएगा।

विश्वविद्यालय की ओर से चलाए गए स्वच्छता अभियान के दौरान हौटिया प्रधान दिनेश कुमार, वरिष्ठ उपप्रधान तुलसी राम चौटाला, उपप्रधान रामकीर्तन यादव, डिप्टी सुपरटेड राजकुमार शर्मा, सफाई कर्मचारी



कूड़े का निस्तारण करते विश्वविद्यालय के कर्मचारी। (नारंग)
प्रधान दास कुमार बागड़ी, भवर लाल, ओमप्रकाश मेट सहित तमाम कर्मचारियों ने इस अभियान में अपना योगदान दिया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

११ अप्रैल

दिनांक 11.3.2021 पृष्ठ संख्या 9 कॉलम 6:8

तकनीक से खेती • समन्वित खेती में प्रेरक बना भूरथला का किसान अजय मशरूम की खेती से 6 माह में कमा रहे 3 लाख रुपए, जिला प्रगतिशील किसान अवॉर्ड मिला

20 साल पहले एक यूनिट से
शुरू की थी मशरूम की खेती

भारतपत्र न्यूज | रेवाड़ी

रेवाड़ी के गांव भूरथला निवासी किसान अजय कुमार समन्वित खेती में जिला के किसानों के लिए प्रेरक बने हुए हैं। सीजनेबल मटर मशरूम की खेती से 6 माह में ही 3 लाख रुपए से ज्यादा की आय कर रहे हैं। अजय ने 20 साल पहले एक झोपड़े में एक यूनिट से मशरूम की खेती शुरू की थी व अब 6 यूनिट लगा रखी है। उनका प्रबंधन ऐसा है कि मशरूम के बाद उसी जगह में पोल्ट्री व्यवसाय शुरू कर देते हैं। इसके अलावा पशुपालन व मधुमक्खी पालन व्यवसाय को भी अपनाया हुआ है। इसी को देखते हुए 9 व 10 मार्च को संपन्न हुए दो दिवसीय किसान वर्चुअल मेले में केवीके बावल की ओर से समन्वित खेती में जिला स्तरीय प्रगतिशील किसान का भी अवॉर्ड दिया गया है।

किसान अजय खेती में करता है जैविक खाद का इस्तेमाल



अजय को जिला प्रगतिशील किसान अवॉर्ड से सम्मानित करते हुए।

किसान अजय ने बताया कि मशरूम के बाद जो कचरा निकलता है उसे वह खेत में ही डालता है। यह जैविक खाद का काम करता है। इससे फसल के उत्पादन में भी वृद्धि होती है। साथ ही गेहूं की गुणवत्ता भी बेहतर होती है। उन्होंने बताया कि वह मधुमक्खी पालन व डेयरी व्यवसाय भी करता है।

मशरूम के लिए सोनीपत से ली ट्रेनिंग : खेती शुरू की थी। उन्होंने बताया कि उन्होंने बताया कि उनके गांव में वर्ष 1998 में एक किसान ने मशरूम की यूनिट लगाई थी। उसी से प्रेरणा लेकर सोनीपत के मुरथल स्थित संस्थान से ट्रेनिंग लेकर मशरूम की लेकर जानी पड़ती थी। जबकि पहले दिल्ली व गुडगांव



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नोट-ग्राह	10.03.2021	--	--

एनएसएस से विद्यार्थियों का चरित्र निर्माण होता है : दहिया

हिसार/11 मार्च/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा सात दिवसीय वार्षिक शिविर का आयोजन गांव शाहपुर में किया गया। शिविर के प्रथम दिवस की शुरूआत हवन यज्ञ से की गई। कार्यक्रम में छात्र कल्याण निदेशक डॉ देवेन्द्र सिंह दहिया बतौर मुख्यातिथि मौजूद रहे। सहायक छात्र कल्याण निदेशक डॉ जीत राम शर्मा व राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय शाहपुर के प्रधानाचार्य कैलाश चन्द्र सैनी गणमान्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मुख्यातिथि ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना से विद्यार्थियों का न केवल चरित्र

निर्माण होता है बल्कि सामाजिक छवि, व्यक्तित्व विकास, सकारात्मक सोच, आत्मविश्वास व नेतृत्व के गुणों का भी विकास होता है। राष्ट्रीय सेवा योजना समन्वयक डॉ चन्द्रशेखर डागर तथा राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ ममता व डॉ पंकज वर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया। मुख्यातिथि ने स्वयंसेवकों को राष्ट्रीय सेवा तथा व्यक्तित्व विकास, चरित्र निर्माण तथा सकारात्मक सामाजिक छवि के निर्माण के लिए प्रेरित किया और पूरी मेहनत व लगन से इस शिविर का अधिकाधिक लाभ उठाने का आह्वान किया। कैलाश चन्द्र सैनी ने मनुष्य को आत्मिक शांति प्रदान

करने में सहायक ध्यान के विषय में चर्चा की। स्वयंसेवकों ने पाठशाला परिसर की साफसफाई की। राष्ट्रीय सेवा योजना समन्वयक डॉ चन्द्रशेखर डागर ने स्वयंसेवकों को उनके शिविर के दौरान योगदान तथा भागीदारी के लिए सराहना की। कैम्प के दौरान गृह विज्ञान खाद्य और पोषण विभाग की नोडल अधिकारी डॉ वीनू सांगवान ने कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है। इसलिए मनुष्य को अपने खानपान व सेहत पर विशेष ध्यान देना चाहिए। स्वयंसेवकों ने ग्रामीणों के साथ विचार-विमर्श करते हुए उनकी जीवनशैली, रहन-सहन आदि के बारे में जानकारी हासिल की।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
रुच मार ब्लैडिंग	10.03.2021	--	--

राष्ट्रीय सेवा योजना से होता है चरित्र निर्माण : डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया

एचएयू की एनएसएस इकाई का सात दिवसीय शिविर गांव शाहपुर में शुरू

एचआर ब्रेकिंग न्यूज़

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा सात दिवसीय वार्षिक शिविर का आयोजन गांव शाहपुर में किया गया।

शिविर के प्रथम दिवस की शुरूआत हवन यज्ञ से की गई। कार्यक्रम में छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया बतौर मुख्यालियि मौजूद रहे। सहायक छात्र कल्याण निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा व राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय शाहपुर के प्रधानाचार्य कैलाश चन्द्र सैनी मण्डान्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। स्वयंसेवकों को सबोंधित करते हुए मुख्यालियि ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना से विद्यार्थियों का न केवल चरित्र निर्माण होता है बल्कि सामाजिक छात्रिय व्यक्तित्व विकास, सकारात्मक सोच,



शिविर के दौरान संबोधित करते मुख्यालियि एवं मौजूद ग्रामीण व स्वयंसेवक

आत्मवि�श्वास व नेतृत्व के मुण्डों का भी विकास होता है। राष्ट्रीय सेवा योजना सेवा तथा व्यक्तित्व विकास, चरित्र निर्माण तथा सकारात्मक सामाजिक छवि के निर्माण समन्वयक डॉ. चन्द्रशेखर डागर तथा राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. ममता व से इस शिविर का अधिकारीभक्त लाभ उठाने का डॉ. एकज वर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया। मुख्यालियि ने स्वयंसेवकों को राष्ट्रीय को आत्मिक शांति प्रदान करने में सहायक

संयुक्त आहार से कराया अवगत : कैम्प के दौरान अधिल भारीय समाचित अनुसंधान परियोजना, गृह विज्ञान (खाद्य और पोषण विभाग) की नीडल अधिकारी डॉ. बीनू सांगवान ने संयुक्त आहार के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि स्वच्छ शरीर में ही स्वस्थ भौतिक का नियास होता है। इसलिए मनुष्य को अपने खानपान व सहत पर विशेष ध्यान देना चाहिए। स्वयंसेवकों ने ग्रामीणों के साथ विचार-विमर्श करते हुए उनकी जीवनस्त्रीली, रहन-सहन आदि के बारे में जानकारी हासिल की। साथ ही ग्रामीणों को इस शिविर के बारे में जानकारी देते हुए इसमें बहु बढ़कर हिस्सा लेने के लिए प्रेरित किया।

ध्यान के विषय में विस्तारपूर्वक चर्चा की। कार्यक्रम को सुचारू रूप से संचालित करने हेतु स्वयंसेवकों को विभिन्न सम्हृ में बांटा गया तथा इसके बाद स्वयं सेवकों ने पाठशाला परिसर की साफ-सफाई की। राष्ट्रीय सेवा योजना समन्वयक डॉ. चन्द्रशेखर डागर ने स्वयंसेवकों को उनके शिविर के दौरान घोगदान तथा भाषीदारी के लिए सराहना की।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... रुमाइला
दिनांक १२.३.२०२१ पृष्ठ संख्या..... ५ कॉलम..... ६

राष्ट्रीय सेवा योजना से होता है चरित्र निर्माण : डॉ. दहिया

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा शाहपुर गांव में सात दिवसीय वार्षिक शिविर की शुरूआत हवन से की।

कार्यक्रम में छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया मुख्यातिथि के तौर पर शामिल हुए। सहायक छात्र कल्याण निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा व राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय शाहपुर के प्रधानाचार्य कैलाश चंद्र सैनी भी अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे। मुख्यातिथि ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना से विद्यार्थियों का न केवल चरित्र निर्माण होता है बल्कि सामाजिक छवि, व्यक्तित्व विकास, सकारात्मक सोच, आत्मविश्वास व नेतृत्व के गुणों का भी विकास होता है। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना समन्वयक डॉ. चंद्रशेखर डागर, राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. ममता, डॉ. पंकज वर्मा, अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना गृह विज्ञान की नोडल अधिकारी डॉ. वीनू सांगवान आदि मौजूद रहे। ब्लूरो



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....भैनीकुमार
दिनांक १३.३.२०२१...पृष्ठ संख्या.....२.....कॉलम.....५५.....

एनएसएस शिविर से होता है चरित्र निर्माण : डा. देवेंद्र



शिविर के दौरान संबोधित करते मुख्यातिथि व मौजूद स्वयंसेवक। ● विज्ञप्ति

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा सात दिवसीय वार्षिक शिविर का आयोजन गांव शाहपुर में किया गया। शिविर के प्रथम दिवस की शुरूआत हवन यज्ञ से की गई।

कार्यक्रम में छात्र कल्याण निदेशक डा. देवेंद्र सिंह दहिया बतौर मुख्यातिथि मौजूद रहे। सहायक छात्र कल्याण निदेशक डा. जीत राम शर्मा व राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय शाहपुर के प्रधानाचार्य कैलाश चन्द्र सैनी गणमान्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मुख्यातिथि ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना से विद्यार्थियों का न

केवल चरित्र निर्माण होता है बल्कि सामाजिक छवि, व्यक्तित्व विकास, सकारात्मक सोच, आत्मविश्वास व नेतृत्व के गुणों का भी विकास होता है। राष्ट्रीय सेवा योजना समन्वयक डा. चन्द्रशेखर डागर व राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डा. ममता व डा. पंकज वर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया। कैम्प के दौरान अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना, गृह विज्ञान (खाद्य और पौष्ण विभाग) की नोडल अधिकारी डॉ. वीनू सांगवान ने संतुलित आहार के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है। इसलिए मनुष्य को अपने खानपान व सेहत पर विशेष ध्यान देना चाहिए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

मैट्रिक्युलेशन

दिनांक 11.3.2021 पृष्ठ संख्या 9 कॉलम 7-8

एचएयू में बागवानी व सज्जियों की नर्सरी प्रबंधन पर प्रशिक्षण 16 से प्रदेश के सभी जिलों से भाग ले सकेंगे किसान

मार्कर न्यूज़ | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत आने वाले रामधन सिंह बीज फार्म की ओर से आगामी 16 मार्च से एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम सात दिनों तक चलेगा। इस कार्यक्रम का विषय फसलों के गुणवत्तायुक्त बीज उत्पादन की तकनीक रहेगा। इस प्रशिक्षण में प्रदेश के सभी जिलों के किसान भाग ले सकेंगे।

रामधन सिंह बीज फार्म के निदेशक डॉ. रामनिवास ने बताया कि जो किसान इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेना चाहते हैं, वे फार्म भरकर रामधन सिंह बीज फार्म के लुदास रोड स्थित कार्यालय में जमा करवा सकते हैं। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के पाठ्क्रम समन्वयक डॉ. कृष्ण कुमार

एवं डॉ. राजेश कथवाल होंगे। इन दोनों से ऑफिस टाइम के दौरान किया जा सकता है। इसके अलावा किसान अधिक जानाकारी पाने के लिए डॉ. राजेश कथवाल के मोबाइल नंबर 9812490456 पर भी संपर्क कर सकते हैं। सात दिवसीय इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के सहयोग से किया जाएगा। किसानों की मदद के लिए लगने वाले इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य किसानों को मुख्य खेत फसलों के लिए बीज उत्पादन हेतु कुशल बनाना है जिससे किसान अपनी फसलों की उत्पादन क्षमता में बढ़ोतरी कर सके। प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने के इच्छुक किसानों को विश्वविद्यालय की वेबसाइट से फार्म डाउनलोड करके एक फोटो व आधार कॉपी के साथ कार्यालय में जमा करवाना है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....४३ जून २०१५.....

दिनांक ११.३.२०१५ पृष्ठ संख्या ३ कॉलम ७

बागवानी की नर्सरी प्रबंधन पर प्रशिक्षण 16 से

जास, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार स्थित रामधन सिंह बीज फार्म की ओर से मुख्य खेत फसलों के गुणवत्तायुक्त बीज उत्पादन की तकनीकें विषय पर 16 मार्च से किसानों के लिए सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। रामधन सिंह बीज फार्म के निदेशक डा. रामनिवास ने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 25 किसान भाग ले सकेंगे। जो किसान इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेना चाहते हैं वे अपना फार्म भरकर रामधन सिंह बीज फार्म के लुदास रोड स्थित कार्यालय में जमा करवा सकते हैं। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के पाठ्क्रम समन्वयक डा. कृष्ण कुमार एवं डा. राजेश कथवाल हैं, जिनसे कार्यालय समय में संपर्क किया जा सकता है। इसके अलावा डा. राजेश कथवाल के मोबाइल नंबर 9812490456 पर भी अधिक जानकारी के लिए संपर्क किया जा सकता है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....प्रभात उत्तरालय

दिनांक .11.3.2021...पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....7-8.....

विवि में बने उत्पादों का स्वाद लेने के लिए लोग बेकरार

कोरोना काल में बंद किए गए एचएयू मार्ट के खुलने का इंतजार
विवि में बने बेहतर गुणवत्ता वाले उत्पादों की यहां होती थी बिक्री



संदीप बिश्नोई

हिसार। एचएयू के गेट नंबर चार पर बना एचएयू मार्ट करीब एक वर्ष से बंद है। यहां के विद्यार्थी और शहर के लोग इस मार्ट के खुलने का इंतजार कर रहे हैं। जब यह वातानुकूलित मार्ट खुला था तो यहां समान बेचने वाले विद्यार्थियों से लेकर हर शहरवासी ने इसकी तारीफ की थी।

विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए बेहतर गुणवत्ता के उत्पादों की बिक्री स्वयं विद्यार्थी यहां पर करते थे। इससे न केवल विद्यार्थियों को मुनाफा होता था, बल्कि एक हिस्सा विवि प्रशासन को भी मिलता था। इसके साथ-साथ उत्पाद बनाने के कारण विद्यार्थियों में व्यावहारिक कौशल को बढ़ावा मिलता था और लोगों को अच्छी गुणवत्ता के उत्पाद यहां मिल जाते थे। कोरोना संकट के कारण पिछले वर्ष मार्च माह में विवि के साथ ही यह मार्ट भी बंद हो गया था। अब पिछले चार माह से विश्वविद्यालय तो चल रहा है, लेकिन मार्ट बंद है। शहर के लोग और विद्यार्थी इस मार्ट के खुलने का इंतजार कर रहे हैं।

ये उत्पाद मिलते थे यहां

उपभोक्ता एचएयू मार्ट पर विश्वविद्यालय व किसानों द्वारा निर्मित विभिन्न खाद्य एवं पेय पदार्थ जैसे केक, मुफ्फीन, बाजरा

योजना के तहत उत्पाद बनाकर बेचते थे विद्यार्थी

विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में कुल 13 सीखों और कमाओं कार्यक्रम (ईएलपी) चल रहे हैं। इनमें विश्वविद्यालय के 350 विद्यार्थी जुड़े थे। इन विद्यार्थियों को वस्तुओं की खरीद से लेकर, पैकेजिंग, भड़ारण और उत्पादों की बिक्री तक और उत्पादन इकाई की स्थापना के लिए प्रशिक्षित किया जाता था। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने वातानुकूलित एचएयू मार्ट का उद्घाटन किया था।

“ कोविड संकट के चलते मार्ट बंद किया गया था। अब इसे दोबारा खोला जाएगा। जल्द ही इसे आमजन के लिए फिर से खोल दिया जाएगा ताकि विद्यार्थी और शहर की जनता दोनों को इसका लाभ मिल सके।

- प्रो. समर सिंह, कुलपति,
एचएयू हिसार।

बिस्कुट, बेल स्कॉर्पियो, मैंगो आरटीएस ड्रिंक, आंवला कैडी आदि उत्पाद मिलते थे। इनके अलावा ऑनलाइन प्लांटस, इंडोर प्लांटस, हैंगिंग बार्स्केट, खाद, जैविक खाद-कंपोस्ट, बीज, बेडशीट, कुशन कवर, बैग आदि भी इस मार्ट पर उपलब्ध करवाए जाते थे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

भौति भूमि

दिनांक ।।।. ३. २०२। पृष्ठ संख्या ।।। कॉलम ।।।

खेती बाड़ी • एचएयू में देशभर के किसानों को उन्नत फसल उगाने की राय दे रहे वैज्ञानिक एचएयू ने 51 साल में किसानों के लिए विकसित की 255 फसलों की उन्नत किस्म, 17 नई तकनीकों को मिला पेटेंट

महबूब अली | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय देशभर के किसानों को फसलों की उन्नत किस्में उपलब्ध कराने में अहम भूमिका निभा रहा है। पिछले 51 वर्षों में यहां के वैज्ञानिकों ने गेहूं, सरसों, जौ आदि की 255 उन्नत किस्म तैयार की है। साथ ही विश्वविद्यालय ने 43 नई तकनीकों पर पेटेंट लेने के लिए भारतीय पेटेंट ऑफिस में आवेदन किया हुआ है जिनमें से 17 तकनीकों का पेटेंट हो चुका है। उन्होंने बताया कि देश के खाद्यान भंडारण में प्रदेश दूसरे स्थान पर है। हरियाणा देश का 60% बासमती निर्यात करता है। उन्होंने ने बताया कि विवि के वैज्ञानिकों ने फसलों, फलों, सब्जियों व चारे की अधिक उत्पादन देने वाली, रोगरोधी व कम समय में पकने वाली 255 किस्मों का विकास किया है।

एचएयू के कुलपति प्रो समर सिंह ने बताया कि विवि के वैज्ञानिकों ने फसलों, फलों, सब्जियों व चारे की अधिक उत्पादन देने वाली, रोगरोधी व कम समय में पकने वाली, 255 किस्मों का विकास किया है।

विश्वविद्यालय ने 19500 विवंटल से उन्नत बीज पैदा कर विभिन्न निगमों व किसानों को वितरित करता है। विश्वविद्यालय ने शोध कार्यक्रमों को बढ़ावा देने तथा कृषि की लाभकारी तकनीकों के व्यावसायीकरण के लिए अंतरराष्ट्रीय तथा राष्ट्रीय स्तर पर 527 द्विपक्षीय समझौते किए हैं। विश्वविद्यालय ने 43 नई तकनीकों पर पेटेंट लेने के लिए भारतीय पेटेंट ऑफिस में आवेदन किया हुआ है जिनमें से 17 तकनीकों का पेटेंट हो चुका है। उन्होंने बताया कि देश के खाद्यान भंडारण में प्रदेश दूसरे स्थान पर है। हरियाणा देश का 60%

जानिए... एचएयू द्वारा विकसित किस्मों की खासियत

■ गेहूँ : डब्ल्यूएच 1270 : एचएयू के वैज्ञानिकों ने गेहूं की उन्नत किस्म (डब्ल्यूएच 1270) विकसित की है। इस किस्म की पैदावार अधिक होने के साथ ही इसके आटे की चपातियां भी स्वादिष्ट लगेंगी।

■ जौई : ओएस 405 व 424

हरे चारे की उत्पादकता अन्य किस्मों से 10% अधिक है। इन किस्मों में अन्य की तुलना में प्रोटीन अधिक है, जो पशु के दुध उत्पादन में बढ़ाती करती है। ये किस्में उत्पादन व पोषण की दृष्टि से बेहतर हैं। हरे चारे के लिए प्रसिद्ध किस्म कैट और ओएस 6 की तुलना में 10% अधिक हरा चारा मिलता है। ऐसे ही उन्नत किस्मों की तुलना में सुखे

चारे की पैदावार भी 11 प्रतिशत तक अधिक है।

■ सरसों : आरएच 725 किस्म

इसकी रोग प्रतिरोधक क्षमता अधिक है। इसकी पैदावार 25 से 26 विवंटल प्रति हेक्टेयर है। इसमें तेल की मंत्रा मात्रा भी 40 प्रतिशत से अधिक है।

■ मूँग : एमएच 1142 रोग प्रतिरोधी : यह किस्म अब तक उपलब्ध किस्मों से भी 20 प्रतिशत तक अधिक उत्पादन देती है। साथ ही एक ऐसी किस्म जो देश में पहले से अधिक भूभाग पर उगाई जा सके तो सोने वे सुहागा होगा। इसकी रोग प्रतिरोधक क्षमता भी अधिक है। इसमें 20 विवंटल प्रति हेक्टेयर तक पैदावार प्राप्त की जा सकती है।

यहां से शुरू
हुआ था एचएयू
का सफर

जब हरियाणा संयुक्त पंजाब का हिस्सा होता था उस समय लुधियाना में पंजाब कृषि विश्वविद्यालय होता था। एक नवंबर 1966 को हरियाणा और पंजाब के अलग राज्य बनने के बाद 2 फरवरी 1970 को हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना की गई। तब से ही यह विश्वविद्यालय अपनी पहचान बना रहा है।